Toppersnotes
Unleash the topper in you

ग्राम सेवक

ग्राम विकास अधिकारी, पंचायत सचिव
एवं छात्रावास अधीक्षक ग्रेड - II

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर

भाग - 4

भारत का भूगोल, इतिहास एवं राजव्यवस्था

SIERRA INNOVATIONS

भारत का भूगोल

1.	भारत का विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक भू–भाग	3
3.	भारत का अपवाह तंत्र	9
4.	जैव विविधता	14
5.	भारत की मिट्टी मृदा	21
6.	जलवायु	22
7.	भारत में खनिजों का वितरण	23
8.	भारत के प्रमुख उद्योग	26
9.	परिवहन	29
10.	कृषि	33
11.	भारत में निवास करने वाली जनजातियाँ	36
12.	भौतिक भूगोल	38
13.	विश्व भूगोल के कुछ महत्वपूर्ण तथ्य	41

भारत का इतिहास व राजव्यवस्था

1.	प्राचीन इतिहास	
	• सिन्धु घाटी सभ्यता	50
	• वैदिक काल	53
	• बोद्ध धर्म	57
	• जैन धर्म	58
	• महाजनपद काल	59
	• मौर्य वंश	61
	• गुप्त वंश	64
2.	मध्यकालीन भारत	
	• भारत पर आक्रमण	69
	• सल्तनत काल	69

	• मुगल काल	74
	• भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	79
	• मराठा उद्भव	81
3.	आधुनिक भारत का इतिहास	
	• भारत में यूरोपियन शक्तियों का आगमन	83
	• मराठा शक्ति का उत्कर्ष	85
	• अंग्रेजो की भू–राजस्व पद्धतियाँ	87
	• गवर्नर के वायसराय	90
	• 1857 की क्रान्ति	92
	• प्रमुख आन्दोलन	95
	• कांग्रेस अधिवेशन	98
	• भारतीय क्रांतिकारी संगठन	108
4.	भारतीय संविधान	
	• भारतीय संविधान के विकास का संक्षिप्त इतिहास	110
	• संविधान के भाग	113
	• अनुसूचियाँ	125
	• राष्ट्रपति की शक्तियां	129
	• लोकसभा	132
	• न्यायपलिका	137
	• राज्य	139
	• संविधान संशोधन	144
	• भारतीय राजव्यवस्था से संबंधित महत्पवपूर्ण तथ्य	146

अन्य सामान्य ज्ञान

1.	भारत के प्रमुख बांध	153
2.	भारत के पक्षी अभ्यारण	154
3.	भारत की जनसंख्या	155
4.	भारत के प्रमुख बंदरगाह	156
5.	भारत में प्रमुख नृत्य	156
6.	अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएं	157
7.	भारत के प्रमुख स्टेडियम	158
8.	प्रमुख व्यक्ति एवं उनके उपनाम	159
9.	भारत के प्रमुख स्थल एवं उनके निर्माणकर्ता	159
10.	राज्य एवं उनके मुख्यमंत्री	160
11.	भारत के राष्ट्रपति	160
12.	भारत के प्रधानमंत्री	161
13.	लोकसभा अध्यक्ष	162
14.	संघ लोक सेवा आयोग के वर्तमान एवं पूर्व चेयरमैन	163
15.	भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त	163
16.	प्रमुख उच्च न्यायालय	164
17.	भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्या न्यायाधीश	164
18.	नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीय	165
19.	केंद्रीय मंत्रिपरिषद्	166
20.	भारत में सर्वाधिक बडा, लम्बा एवं ऊँचा	168
21.	भारत में प्रथम पुरूष	169
22.	यूनेस्को द्वारा घोषित भारत के विश्व धरोहर स्थल	171
23.	भारत के राष्ट्रीय प्रतीक व चिन्ह	172

24.	अविष्कार–अविष्कारक	173
25.	अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के महत्वपूर्ण तथ्य	174
26.	प्रसिद्ध पुस्तक व उनके लेखक	176
27.	खेलकूद	178
28.	विश्व की प्रमुख जल संधि	183
29.	प्रमुख पर्यावरण सम्मेलन	185

Toppersnotes
Unleash the topper in you

भारतीय भूगोल (Indian Geography)

भारत का विस्तार–

- भारत की स्थिति उत्तरी गोलार्ध एवं पूर्वी देशांतर में है ।
- भारत की आकृति चतुष्कोणीय है ।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 8°4 से 37°6 उत्तरी गोलार्ध में है ।
- देशांतरीय विस्तार 68°7 से 97°25 पूर्वी देशांतर में है ।
- भारत का विश्व में क्षेत्रफल की दृष्टि से सातवां एवं जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा स्थान है।

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	रूस	चीन
द्वितीय	कनाडा	भारत
तृतीय	चीन	यू.एस.ए
चतुर्थ	यू. एस. ए.	इंडोनेशिया
पंचम	ब्राजील	ब्राजील
षष्ठ	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्ताान
सप्तम	भारत	नाईजीरिया
अष्टम	अर्जेनटीना	बांग्लादेश

- भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी है, जोकि विश्व के कुल क्षेत्रफल का 2.42% है ।
- भारत में विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5% हिस्सा निवास करता है ।
- उत्तर से दक्षिण विस्तार 3214 किमी है और पूर्व से पश्चिम में विस्तार 2933 किमी है ।
- भारत का सबसे पूर्वी बिंदु अरुणाचल प्रदेश में वलांगु (किबिथू) है।
- सबसे पश्चिमी बिंदु गुजरात में गोरमाता सक्रिय (कच्छ जिला) में है ।
- सबसे उत्तरी बिन्दु इन्द्रा कॉल है, जो कि केन्द्र शासित प्रदेश लेह में स्थित है ।
- सबसे दक्षिणतम बिन्दु इन्दिरा पॉइंट है, इंदिरा पॉइंट को पहले पिग्मेलियन पॉइंट और पार्सन्स पॉइंट के नाम से जाना जाता था। इन्दिरा पॉइंट निकोबार द्वीप समूह में स्थित है। इसकी भूमध्य रेखा से दूरी 876 किमी है ।
- प्रायद्वीपीय भारत का सबसे दक्षिणी भाग तमिलनाडु में केप कोमोरिन (कन्याकुमारी) में स्थित है।
- भारत की स्थल सीमा की लम्बाई 15200 किमी है
- तटीय भाग की लम्बाई है 7516 किमी (द्वीप समूह मिलाकर)। केवल भारतीय प्रायद्वीप की तटीय सीमा 6100 किमी है ।
- भारतीय मानक समय रेखा 82°30 पूर्वी देशांतर पर है। मानक समय रेखा 5 राज्यों से होकर गुजरती है ।
  - उत्तर प्रदेश (मिर्जापुर)
  - छत्तीसगढ
  - मध्य प्रदेश
  - आंध्र प्रदेश
  - ओडिशा
- भारतीय मानक समय और ग्रीनविच समय के बीच अंतर 5.30 घण्टे का है । भारतीय समय ग्रीनविच समय से आगे चलता है ।
- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश कुल 9 राज्यों से सीमा बनाता है ।
  - उत्तराखण्ड
  - हरियाणा
  - दिल्ली
  - हिमाचल प्रदेश
  - राजस्थान
  - मध्य प्रदेश
  - छत्तीसगढ
  - झारखण्ड
  - बिहार
- भारत के कुल 9 राज्य एवं – केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए है।
  - गुजरात
  - महाराष्ट्र
  - गोवा
  - कर्नाट
  - केरल
  - तमिलनाडु
  - अरूणाचल प्रदेश
  - उडीसा
  - पश्चिम बंगाल
- केन्द्र शामित प्रदेश
  - लक्षद्वीप
  - आण्डमान निकोबार
  - दमन और दीव
  - पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)
- हिमालय को छूने वाले 11 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश है।

राज्य

- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मणिपुर
- मिजोरम
- त्रिपुरा
- मेघालय
- असम
- पश्चिम बंगाल

केंद्र शासित प्रदेश

- जम्मू कश्मीर
- लेह

- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है।
  - गुजरात
  - राजस्थान
  - मध्य प्रदेश
  - छत्तीसगढ
  - झारखण्ड
  - पश्चिम बंगाल
  - त्रिपुरा
  - मिजोरम
- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है ।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है ।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है ।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है ।
- भारत का मौसिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है ।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है ।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है ।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है ।

भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाएं एवं पडोसी देश

- भारत की कुल 15200 किमी सीमा रेखा 92 जिलों और 17 राज्यों से होकर गुजरती है ।
- भारत की तटीय सीमा 7516 किमी है जोकि 9 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को स्पर्श करती है। केवल प्रायद्वीप भारत की तटीय सीमा रेखा 6100 किमी है ।
- भारत के मात्र 5 राज्य ऐसे है जो किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा और तट रेखा को स्पर्श नहीं करते है –
  - हरियाणा
  - मध्य प्रदेश
  - झारखण्ड
  - छत्तीसगढ
  - तेलंगाना

- भारतीय राज्यों में गुजरात की तट रेखा सर्वाधिक लंबी है। इसके बाद आंध्र प्रदेश की तट रेखा है ।
- त्रिपुरा तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा राज्य है ।
- भारत के 7 पडोसी देश भारत की थल सीमा को स्पर्श करते है –
  - पाकिस्तान – 3323 किमी
  - चीन – 3488 किमी
  - नेपाल – 1751 किमी
  - बांग्लादेश – 4096.7 किमी
  - भूटान – 699 किमी
  - म्यांमार – 1643 किमी
  - अफगानिस्तान – 106 किमी

- भारत की सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश के साथ लगती है ।
- भारत सबसे छोटी अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा अफगानिस्तान के साथ साझा करता है जोकि केवल 80 किमी है ।
- भारत के 2 पडोसी देश जो भारत की तटीय सीमा के साथ जुडे हुए है।
  1. श्रीलंका
  2. मालद्वीप
- ऐसे देश जो थल एवं जल दोनों सीमा बनाते है।
  - पाकिस्तान
  - बांग्लादेश
  - म्यांमार
- पाकिस्तान के साथ भारत के 3 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश सीमा साझा करते है –

राज्य
1. पंजाब
2. राजस्थान
3. गुजरात

केन्द्र शासित प्रदेश
1. जम्मू कश्मीर
2. लेह

- चीन के साथ भारत के 4 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश सीमा साझा करते है –

राज्य

1. हिमाचल प्रदेश
2. उत्तराखण्ड
3. सिक्किम
4. अरुणाचल प्रदेश

केन्द्र शासित प्रदेश

1. जम्मू कश्मीर
2. लेह

- नेपाल के साथ भारत के 5 राज्य सीमा साझा करते हैं –
  1. उत्तराखण्ड
  2. उत्तर प्रदेश
  3. बिहार
  4. सिक्किम
  5. पश्चिम बंगाल

- भूटान के साथ भारत के 4 राज्य सीमा साझा करते हैं
  1. पश्चिम बंगाल
  2. सिक्किम
  3. अरुणाचल प्रदेश
  4. असम

- म्यांमार के साथ भारत के 4 राज्य सीमा साझा करते हैं –
  1. अरुणाचल प्रदेश
  2. नागालैण्ड
  3. मणिपुर
  4. मिजोरम

अफगानिस्तान के साथ भारत का एक केन्द्र शासित प्रदेश सीमा बनाता है – (केवल 80 किमी POK)

- लद्दाख

- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाडी श्रीलंका को भारत से अलग करती है। पाक जलडमरूमध्य को पाक जल संधि के नाम से भी जाना जाता है।
- मेकमोहन रेखा भारत और चीन के बीच में स्थित है । यह रेखा 1914 में शिमला समझौते में निर्धारित की गयी थी ।
- 1886 में सर डूरण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूरण्ड रेखा स्थापित की गई थी। परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है ।
- भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है। रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 15 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रैडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था ।

सीमावर्ती सागर :–

- सीमावर्ती सागर क्षेत्र आधार रेखा से 12**nm** तक स्थित है ।
- क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है ।

1. संलग्न सागर :–

- संलग्न सागर क्षेत्र आधार रेखा से 24nm तक स्थित है ।
- इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार है ।

2. अनन्य आर्थिक क्षेत्र :–

- अनन्य आर्थिक क्षेत्र आधार रेखा से 200**nm** तक स्थित है ।
- इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार है तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है ।
- उच्च सागर यहाँ सभी देशों का समान अधिकार होता है

भारत के भौगोलिक भ–भाग

भारत के भौगोलिक भू–भाग:-

1. हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र
2. उत्तरी मैदान क्षेत्र
3. प्रायद्वीप पठार क्षेत्र
4. तटीय मैदान क्षेत्र
5. द्वीप समूह क्षेत्र

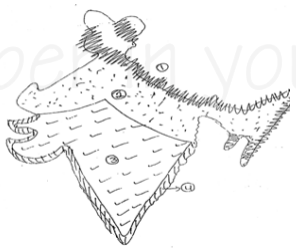

1. हिमालय पर्वतीय प्रदेश:–

- यह पर्वत तंत्र विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत तंत्र है, इसलिए इस तंत्र में बहुत से अल्पाइन हिमनद भी पाये जाते है ।
- इस पर्वतीय प्रदेश को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है:–

A. हिमालय :-

हिमालय पर्वतीय प्रदेश का सबसे उत्तरी भाग ट्रांस हिमालय कहलाता है ।

- यह मुख्य रूप से 'जम्मू–कश्मीर' व 'तिब्बत' में स्थित है ।
- इस भाग में तीन प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ पाई जाती है:–

(a) काराकोरम श्रेणी:–
(b) लद्दाख श्रेणी:–
(c) जास्कर श्रेणी:–

- ट्रांस हिमालय की सबसे उत्तरी श्रेणी।
- ट्रांस हिमालय की सबसे लम्बी व ऊँची श्रेणी है ।
- 'माउण्ट गोडविन ऑस्टिन' इस श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी है, जो कि भारत की सबसे ऊँची तथा विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है । (8611 किमी.)
  1. बतुरा
  2. हिस्पार
  3. बियाको
  4. बालतोरो
  5. सियाचिन

(b) <u>लद्दाख श्रेणी</u>

- काराकोरम श्रेणी के दक्षिण में स्थित।
- तिब्बत में इस श्रेणी का विस्तार 'कैलाश पर्वत' के नाम से जाना जाता है ।

(c) <u>जास्कर श्रेणी:–</u>

- ट्रांस हिमालय की सबसे दक्षिणी श्रेणी ।
- जास्कर तथा लद्दाख श्रेणी के मध्य सिन्धु घाटी स्थित है ।
- वृष्टि छाया क्षेत्र में स्थित होने के कारण इस पठार पर शुष्क परिस्थितियाँ पाई जाती है, इसलिए
  यह एक 'ठण्डे मरूस्थल' का उदाहरण है ।

B. <u>मुख्य हिमालय:-</u>

- यह पर्वतीय प्रदेश का दूसरा प्रमुख भाग है ।
- यह भाग सिन्धु नदी घाटी से ब्रह्मपुत्र नदी घाटी तक स्थित है ।
- यह लगभग 2400 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- इस श्रेणी में विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट (8848 मी.) स्थित है ।
- माउण्ट एवरेस्ट नेपाल–चीन सीमा पर स्थित है ।
- इसे नेपाल में सागरमाथा कहते है । (माउण्ट एवरेस्ट को)
- इस पर्वत पर बहुत से प्रमुख हिमनद स्थित है ।
  e.g.- गंगोत्री, यमुनोत्री, सतोपंथ, पिंडारी, मिलान **etc.**

(a). <u>मध्य हिमालय</u> <u>(Middle Himalaya):-</u>

- इसे हिमाचल हिमालय या लघु हिमालय भी कहते है
- यह श्रेणी 2400 किमी. की दूरी में विस्तरत है ।
- इसकी औसत चौडाई 50 किमी. है ।
- मध्य हिमालय तथा वृहत हिमालय के बीच बहुत सी घाटियाँ स्थित है:–
  - कश्मीर घाटी = वृहत हिमालय – पीर पंजाल
  - कुल्लू घाटी = वृहत हिमालय – धौलाधर
  - कांगडा घाटी **(HP)** = वृहत हिमालय – मसूरी
  - काठमांडू घाटी = वृहत हिमालय – महाभारत

- इस श्रेणी पर ग्रीष्म ऋतु में शीतोष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान पाए जाते है जिन्हें जम्मू कश्मीर में 'मर्ग' तथा उत्तराखण्ड मे 'बुग्याल, पयाला' कहा जाता है ।
- इस श्रेणी क्षेत्र में बहुत से पर्यटन स्थल पाए जाते है **e.g.** कुल्लू, मनाली, नैनीताल, मसूरी **etc.**

- इस श्रेणी में कुछ प्रमुख दर्रे पाए जाते है :–
  1. <u>पीरपंजाल दर्रा:–</u>यह दर्रा श्रीनगर को **POK** से जोडता है ।
  2. <u>बनिहाल दर्रा:–</u> श्रीनगर को जम्मू से जोडता है, **NH-1A** इस दर्रे से गुजरता है । इस दर्रे में जवाहर सुरंग स्थित है ।

- शिवालिक श्रेणी की ऊँचाई 500–1500 मी. के बीच पाई जाती है ।
- इसकी चौडाई 10–50 किमी. है ।
- शिवालिक को विभिन्न स्थानीय नामों से जाना जाता है:–
  - जम्मू और कश्मीर – जम्मू हिल्स
  - उत्तराखंड – दूदवा/धांग
  - नेपाल – चूडियाघाट
  - दाफला
  - मिरी
  - अबोर
  - मश्मी

- इन घाटियों को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 'दून' तथा पूर्वी हिमालय क्षेत्र में 'द्वार' कहते है ।
  e.g.- देहरादून, कोटलीदून, पाटलीदून, हरिद्वार, निहांगद्वार **etc.**

चोस (Chos):-

- हिमाचल प्रदेश तथा पंजाब में स्थित शिवालिक श्रेणी क्षेत्र में मानसून के दौरान अस्थायी धाराओं का निर्माण होता है, जिन्हें । स्थानीय भाषा में चोस कहते हैं ।
- यह धाराएँ शिवालिक को विभिन्न भागों में विभाजित कर देती है ।

C. पूर्वांचल (Purvanchal):-

- उत्तर-पूर्वी राज्यों में उत्तर से दक्षिण की ओर विस्तृत पहाडियों को पूर्वांचल कहते हैं ।
- पूर्वांचल का
- निर्माण इण्डो-ऑस्ट्रेलियन तथा बर्मा प्लेट के अभिसरण से हुआ है ॥
- यह बालू पत्थर से निर्मित पहाडियाँ है ।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून पवनों द्वारा यहाँ भारी वर्षा प्राप्त होती है अतः यहाँ बहुत अधिक जैव-विविधता पाई जाती है ।
- यह विश्व के 36 **Hotspots** में सम्मिलित है ।
- नागा पहाडियों की सबसे ऊँची चोटी सरामती है ।
- मिजो पहाडियों को लुसाई पहाडियाँ भी कहते है
- मिजो पहाडियों की सबसे ऊँची चोटी ब्लू माउण्टेन है
- बराइल श्रेणी नागा पहाडियों एवं मणिपुर पहाडियों को अलग करती है ।

हिमालय पर्वतीय प्रदेश का प्रादेशिक विभाजनः-

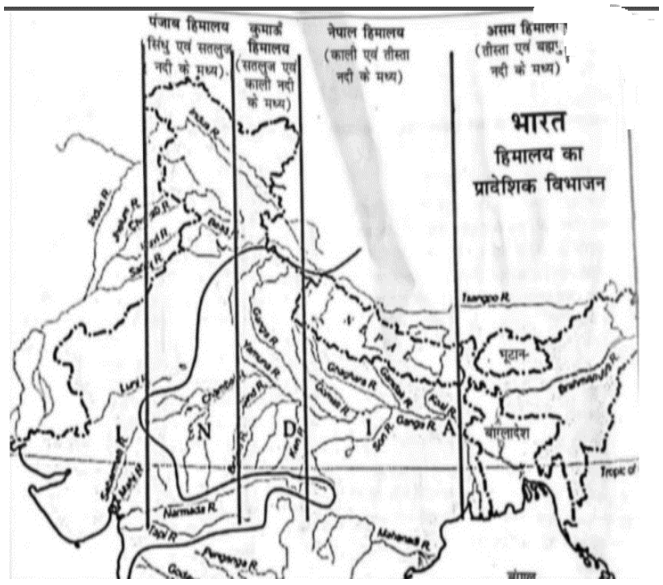

(a). कश्मीर/पंजाब हिमालय (Kashmir/Punjab Himalaya):-

- कश्मीर/पंजाब हिमालय का यह भाग सिंधु तथा सतलज नदी के बीच स्थित है ।
- यह लगभग 560 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- इस भाग में जास्कर, पीरपंजाल श्रेणी एवं जम्मू पहाडियाँ स्थित है ।

(b). कुमायूँ हिमालय (Kumao Himalaya):-

- हिमालय का यह भाग सतलज से काली नदी के बीच स्थित है ।
- यह 320 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- यह भाग मुख्य रूप से उत्तराखण्ड में स्थित है ।

(c). नेपाल हिमालय (Nepal Himalaya):-

- यह भाग काली तथा तिस्ता नदी के बीच स्थित है।
- यह भाग 800 किमी. की दूरी में विस्तृत है।

(d). असम हिमालय (Assam Himalaya):-

- यह भाग तिस्ता से दिहांग नदी के बीच स्थित है
- यह 720 किमी. की दूरी में विस्तृत है ।
- यहाँ हिमालय की चौडाई सबसे कम हो जाती है जो लगभग 150 किमी. हो जाती है ।

2. भारत के मैदान

नदियों द्वारा लाये गये अवसादों के कारण मैदानों का निर्माण होता है।

भारत के मैदानों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है

1. पूर्वी घाट के मैदान
2. पश्चिमी घाट के मैदान
3. उत्तर भारत का मैदान

1. पूर्वी घाट के मैदान

- आकार में ये उत्तर भारत के मैदान से छोटा तथा पश्चिमी घाट के मैदान से बडा है।
- गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदी के पास मैदानों की चौडाई अधिक है।
- इसके चौडाई उत्तर से दक्षिण की तरफ बढती है। औसत चौडाई 100 कि.मी. से 130 कि.मी. तक है।
- पश्चिम बंगाल की हुगली नदी से लेकर तमिलनाडु तक फैला हुआ है।

- उड़ीसा से आन्ध्र प्रदेश की तरफ का मैदान उत्कल तट कहलाता है।
- आन्ध्र प्रदेश का तट कलिंग तट कहलाता है। इसी तट को उत्तरी सरकार तट के नाम से भी जाना जाता है।
- आन्ध्र प्रदेश से लेकर तमिलनाड तक के मैदान को कोरामण्डल तट कहा जाता है।
- भारत की कई प्रमुख नदियों के डेल्टा इसी मैदान में बनते है। इन नदियों में मुख्य नदियां अग्रलिखित है
  - महानदी
  - गोदावरी
  - कृष्णा
  - कावेरी

2. पश्चिमी घाट के मैदान

- दमन से लेकर कन्याकुमारी तक फैला हुआ है।
- आकार में पूर्वी तथा उत्तर भारत के मैदानों से छोटा है। इसकी औसत चौड़ाई 50 कि.मी. है।
- गुजरात से गोवा तक के तट को कोंकण तट कहा जाता है। इसमें महाराष्ट्र का पूरा तट आ जाता है।
- गोवा से मंगलौर तक के तट को कन्नड तट कहा जाता है।
- कर्नाटक से केरल तक के तट को मालाबार तट कहा जाता है।
- इसकी चौड़ाई कम होने के कारण यहां पर ढाल अधिक है। जिस कारण से यहां पर नदियों में तीव्र चाल से चलती है और झरने बनाती है।
- नदियों में गति अधिक होने के कारण नदियां डेल्टा नहीं बना पाती है।
- मछली पालन के लिए आदर्श स्थिति बनती है।

3. उत्तरी भारत का विशाल मैदान

- भारत के सभी मैदानों में से ये सबसे विशाल है। इसकी औसत चौड़ाई 240 कि.मी. से 320 कि.मी. है।
- इस मैदान की समुद्र तल से ऊँचाई कम होने के कारण यहां पर नदियों की गति काफी धीमी हो जाती है। अतः नदियां अपने साथ लाये हुए
- अवसाद को यहां जमा कर देती है, जोकि इस मैदान की विशालता का प्रमुख कारण है।
- इसको समझने के लिए 4 भागों में बाँटा गया है

भाबर प्रदेश

- शिवालिक हिमालय से 12 कि.मी. तक के क्षेत्र जिसमें कंकड पत्थर अधिक होते है को भाबर प्रदेश कहा जाता है।
- शिवालिक हिमालय के बाद नदियों की गति कम हो जाती है। इसलिए वो अपने साथ लाये अवसाद को यहां जमा कर देती है।
- यहां आकर नदियां विलुप्त हो जाती है। ये नदियां फिर आगे जाकर वापस धरती पर प्रकट हो जाती है।

तराई प्रदेश

- भाबर के नीचे वाले दलदली क्षेत्र को तराई क्षेत्र कहा जाता है।
- यहां पर जंगल में अजगर, मगरमच्छ आदि के साथ अन्य वन्य जीव भी पाये जाते है, अतः कोई जनजाति नहीं रहती।
- वर्तमान में तराई की अधिकांश भूमि को कृषि योग्य बना लिया गया है।

बांगर प्रदेश

- नदी के दूर वाला क्षेत्र जो नदी द्वारा लाई गई मिट्टी से पाटा गया है, बांगर प्रदेश कहलाता है।
- ये प्रदेश मैदान के ऊँचाई वाले क्षेत्र होते है।
- इस प्रदेश में बाड नहीं आती है। जिस कारण यहां की मिट्टी का नवीकरण नहीं हो पाता है।
- इस प्रदेश में पुरानी जलोढ मृदा पायी जाती है।

खादर प्रदेश

- नदी के पास वाला क्षेत्र जहां पर बाड आती रहती है, खादर क्षेत्र कहलाता है। लगभग हर वर्ष बाड आने के कारण यहां की मृदा का नवीकरण होता रहता है। इसी कारण ये प्रदेश उपजाऊ बना रहता है ।
- इसकी ऊँचाई बांगर प्रदेश से कम होती है।
- इसका निर्माण नई जलोढ मृदा से हुआ

भारत के पठार

मालवा का पठार

तीन राज्यों में फैला हुआ है

- गुजरात
- मध्य प्रदेश
- राजस्थान
- निर्माण ट्रेनाइट से हुआ है।
- काली मिट्टी से ढका हुआ है।
- ऊँचाई 500–610 मी0 है।
- इसे लावा निर्मित पठार भी कहा जाता है।
- इसमें कुछ लावा द्वारा बनी पहाडियां भी है।
- यमुना की सहायक चंबल नदी ने इसके मध्य भाग को प्रभावित किया है।
- पश्चिमी भाग को माही नदी ने प्रभावित किया है। माही नदी अरब सागर में जाकर गिरती है।
- पूर्वी भाग को बेतवा नदी ने प्रभावित किया है।
- मालवा का पठार अरावली पर्वत व विन्ध्यांचल पर्वत के बीच में है।

बुन्देलखण्ड का पठार

- उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच में फैला हुआ है।
- इसके निर्माण में नीस और ग्रेनाइट से हुआ है।
- इसका ढाल दक्षिण से उत्तर और उत्तर पूर्व की तरफ है।
- यहां कम गुणवत्ता का लौह अयस्क प्राप्त होता है।

छोटा नागपुर का पठार

- छोटा नागपुर के पठार का महाराष्ट्र के नागपुर जिले से कोई सम्बन्ध नहीं है । इसका नाम पुराने राजा के नाम पर पडा है।
- ये पठार झारखंड में फैला हुआ है।
- इसका क्षेत्रफल 65000 वर्ग कि0मी0 है।
- रांची का पठार, हजारी बाग का पठार, कोडरमा का पठार सब इसी के अंदर आते है।
- इस पठार की औसत ऊँचाई 700 मी0 है।

शिलांग का पठार

- गोरा, खासी और जयन्ती पहाडियां इसी के अंदर आती है।
- इस पठार में कोयला और लौह अयस्क, और चूना पत्थर के भंडार उपलब्ध है।

दक्कन का पठार

- भारत का विशालतम पठार है।
- दक्षिण के आठ राज्यों में फैला हुआ है।
- इस पठार का आकार त्रिभुजाकार है। सतपुडा और विंध्याचल श्रृंखला इसकी उत्तरी सीमा है तथा पूर्व और पश्चिम में पूर्वी तथा पश्चिमी घाट स्थित है।
- इसकी औसत ऊँचाई 600 मी0 है।
- इस पठार को पुनः तीन भागों में बाँटा जाता है।
  - महाराष्ट्र का पठार– इसमें काली मृदा की आर्कियन पायी जाती है।
  - आंध्रप्रदेश का पठार– इसे पुनः दो भागों में विभक्त किया गया है।
  - तेलंगाना का पठार– इस पठार के लावा द्वारा निर्मित होने के कारण इसे लावा पठार के नाम से भी जाना जाता है।
  - रायलसीमा का पठार– इसमें आर्कियन चट्टानों की अधिकता पायी जाती है।
  - कर्नाटक का पठार– इसमें धात्विक खनिज तथा आर्कियन चट्टानों की अधिकता पायी जाती है।

1. द्वीपीय समूह प्रदेश

- भारत के दक्षिण तट के नजदीक अण्डमान–निकोबार तथा लक्षद्वीप द्वीप समूह पाये जाते है, जो कि मिलकर द्वीपीय समूह प्रदेश का निर्माण करते है ।
- भारत के पास कुल 1208 द्वीप समूह है। ये संख्या सभी छोटे–छोटे द्वीपों को मिलाकर है।
- अंडमान निकोबार द्वीप समूह सबसे बडा द्वीप समूह है।
- लक्षद्वीप सबसे छोटा द्वीप समूह है।

(a). अण्डमान–निकोबार द्वीप समूहः–

अण्डमान

- बंगाल की खाडी में स्थित 572 द्वीपों का समूह ।
- इन द्वीपों को अराकन योमा पर्वत श्रेणी का विस्तार ही माना जाता है ।

निकोबार

- 10° चैनल अण्डमान को निकोबार द्वीप समूह से अलग करता है ।
- 'मध्य अण्डमान द्वीप' अण्डमान-निकोबार का सबसे बडा द्वीप है ।
- अण्डमान-निकोबार की राजधानी 'पोर्टब्लेयर' दक्षिण अण्डमान द्वीप में स्थित है ।
- अण्डमान-निकोबार की सबसे ऊँची चोटी 'सैडल चोटी' उत्तरी अण्डमान द्वीप पर स्थित है ।
- 'डंकन पेसेज' दक्षिण अण्डमान को लघु अण्डमान से अलग करता है ।
- 'बैरन द्वीप' जो कि भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी द्वीप है ।
- 'नारकोण्डम द्वीप' जो कि भारत का एकमात्र सुषुप्त ज्वालामुखी द्वीप है ।
- 'ग्रेट निकोबार' निकोबार द्वीप समूह का सबसे बडा द्वीप है तथा 'इन्दिरा पॉइंट' इसी द्वीप का दक्षिणतम बिन्दु है ।

निकोबार द्वीप समूह

लिटिल अंडमान के नीचे "10° चैनल" पडता है और उसके बाद निकोबर द्वीप समूह शुरू हो जाता है

- निकोबार द्वीप समूह तीन भागो में बटा है।
  - कार निकोबार
  - लिटिल निकोबार (बीच में)
  - ग्रेटनिकोबार

- निकोबार द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी बिन्दू जोकि भारत का भी दक्षिणी बिन्दू है ग्रेट निकोबार पर पडता है । इसे "इन्द्रा पॉइंटया" "पिग मेलियन पहइंट" के नाम से जाना जाता है ।

(b). लक्षद्वीपः-

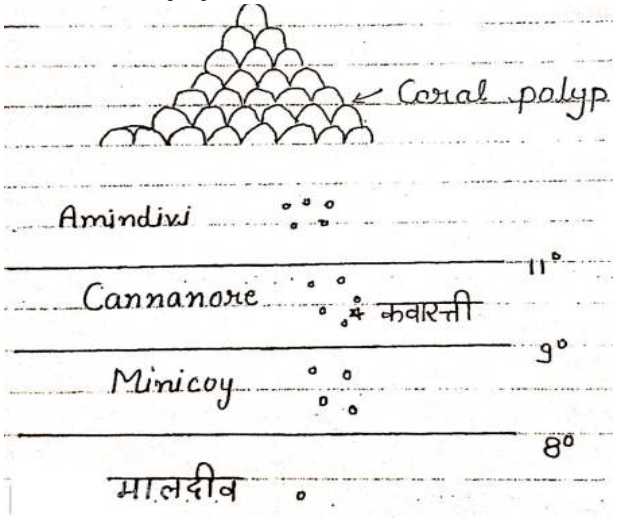

- 'अरब सागर' में स्थित 36 द्वीपों का समूह ।
- यह कोरल द्वीपों का उदाहरण है ।
- लक्षद्वीप को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है-
- 11°**N** अक्षांश के उत्तर में स्थित द्वीप 'अमीनदीवी द्वीप' कहलाते है ।
- 11°**N** तथा 9°**N** अक्षांश के मध्य स्थित द्वीप 'कोनोनोर द्वीप' कहलाते है ।
- 9°**N** अक्षांश के दक्षिण में 'मिनिकोय द्वीप' स्थित है
- 8°**N** चैनल भारत को मालदीव से अलग करता है ।

- लक्षद्वीप समूह अरब सागर में है ।
- लक्षद्वीप एक केन्द्र शासित प्रदेश है। सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है। क्षेत्रफल मात्र 32 वर्ग किमी है ।
- लक्षद्वीप की राजधानी कवरत्ती है ।
- लक्षद्वीप द्वीपसमूह का सबसे दक्षिणी द्वीप मिनिकहय द्वीप है। इसका क्षेत्रफल 4.98 वर्ग किमी है ।
- लक्षद्वीप समूह का सबसे बडा द्वीप अन्ड्रोट द्वीप सबसे बडा द्वीप है। जिसका क्षेत्रफल 4.98 वर्ग किमी है ।

अन्य महत्वपूर्ण द्वीप

- न्यू मूर द्वीप एवं गंगा सागर द्वीप बंगाल की खाडी में हुगली नदी के तट के पास है ।
- उडीसा के तट पर व्हीलर द्वीप या अब्दुल कलाम द्वीप है जोकि ब्राह्मणी नदी के मुहाने पर बनता है। यहां से मिसाइल का परीक्षण किया जाता है ।
- आंध्र प्रदेश के तट पर श्रीहरिकोटा द्वीप है। यहां पर सतीश धवन स्पेस रिसर्च सेंटर स्थित है। सतीश धवन 2002 में इसरो के अध्यक्ष रहे थे ।
- पम्बन द्वीपया रामेश्वरम द्वीप तमिलनाडु के तट पर है। रामेश्वरम मंदिर यही पर है ।
- पम्बन द्वीप के सबसे दक्षिणी भाग को धनुषकोडी कहा जाता है। इसके बाद राम सेतु शुरू हो जाता है ।
- श्रीलंका एवं भारत के बीच में मन्नार की खाडी है ।
- गुजरात में नर्मदा नदी के मुहाने पर खंभात की खाडी में आलिया बेट द्वीप है। एलीफेंटा की गुफाएं इसी द्वीप में स्थित है ।

भारत का अपवाह तंत्र
(Drainage System of India)

- ➢ जिस मार्ग से बहते हुए नदी आगे बढती है, वह नदी का 'अपवाह (Drainage Channel)' कहलाता है
- ➢ बहुत-सी नदियों के मिलने से किसी क्षेत्र में एक 'अपवाह तंत्र' का निर्माण होता है ।
- ➢ वह क्षेत्र जहाँ से वर्षा अथवा हिमनदों से मिलने वाला जल किसी नदी विशेष तक पहुँचता है, वह क्षेत्र उस नदी का बेसिन **(Basin)** कहलाता है ।
- ➢ भारत के अपवाह तंत्र को नदियों के स्रोत के आधार पर दो वर्गो में विभाजित किया जा सकता

1. हिमालय अपवाह तंत्र **(Himalaya Drainage System)**
2. प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र **(Peninsular Drainage System)**

हिमालय अपवाह तंत्र
(Himalaya Drainage System)

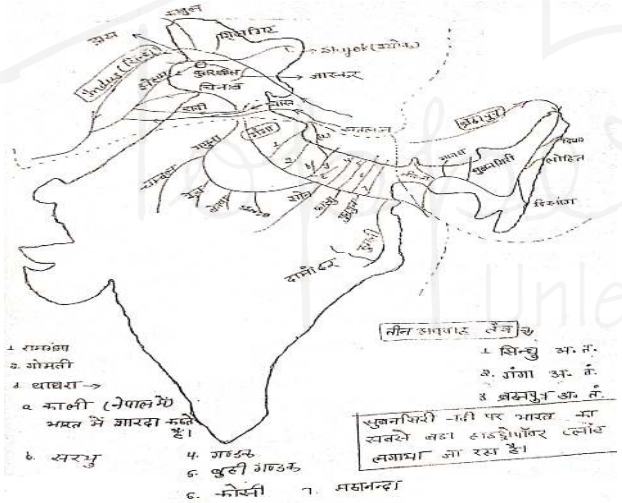

- ➢ हिमालय अपवाह तंत्र को मुख्य नदियों के आधार पर तीन भागों में बाँटा जा सकता है-
   1. सिन्धु अपवाह तंत्र
   2. गंगा अपवाह तंत्र
   3. ब्रह्मपुत्र अपवाह तंत्र

1. सिन्धु अपवाह तंत्र

- यह अपवाह तंत्र मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश व पंजाब राज्य में स्थित है ।
- सिन्धु नदी का उद्गम तिब्बत में कैलाश पर्वत के हिमनदों से होता है तथा जम्मू-कश्मीर में यह नदी लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के मध्य बहती है ।
- काबुल, गिलगिट तथा श्योक इसकी प्रमुख दाँये हाथ की सहायक नदियाँ है तथा जास्कर, द्रास तथा पंचनद (सतलज, रावी, झेलम, चेनाब, व्यास) इसकी प्रमुख बाँये हाथ की नदियाँ है ।
- 'पंचनद' सिन्धु से पाकिस्तान के मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है तथा सिन्धु कराची के नजदीक डेल्टा बनाने के पश्चात् अरब सागर में जाकर गिरती है
- 'लद्दाख' की राजधानी 'लेह' सिन्धु नदी के किनारे ही स्थित है ।
- सिन्धु की प्रमुख सहायक नदियाँ:-

(a). झेलम:-

- इस नदी का उद्गम जम्मू-कश्मीर में स्थित 'बेरिनाग झील' से होता है ।
- यह नदी 'वुलर झील' का निर्माण करती है, जो कि भारत की सबसे बडी मीठे पानी की झील है
- 'किसनगंगा' इसकी प्रमुख सहायक नदी है ।
- 'श्रीनगर' झेलम नदी के किनारे बसा है ।
- यह नदी भारत व पाकिस्तान के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।
- इस नदी पर 'तुलबुल परियोजना' प्रस्तावित है, जो कि एक नौवहन परियोजना है ।

(b). चेनाब:-

- इस नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में 'बारा लच्छा दर्रे' के नजदीक से निकलने वाली 'चन्द्र' व 'भागा' नदियों के मिलने से होता है । चन्द्र+भागा = चन्द्रभागा **(H.P)** चेनाव **(J&K)**
- इस नदी पर दुलहस्ती, सलाल व बगलीहार परियोजना स्थित है । जो कि जम्मू-कश्मीर में 'जल विद्युत परियोजना' है ।

(c). रावी:-

- इस नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में 'रोहतांग दर्रे' (लेह, मनाली के पास) के नजदीक होता है ।
- हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर 'चमेरा बांध' स्थित है
- इस नदी पर वर्तमान में पंजाब राज्य में 'थीन परियोजना (रंजीत सागर बांध परियोजना)' का विकास किया जा रहा है ।

(d). व्यास:-

- इस नदी का उद्गम 'रोहतांग दर्रे' के नजदीक 'व्यास कुण्ड' से होता है ।
- यह नदी पंजाब में हरिके नामक स्थान पर सतलज से जाकर मिलती है ।

- इस नदी पर हिमाचल प्रदेश में 'पोंग बांध' स्थित है, जिससे 'महाराणा प्रताप सागर परियोजना' का निर्माण होता है ।

(e). सतलजः–

- इस नदी का उद्गम तिब्बत में राकास ताल/राक्षास झील से होता है तथा यह शिपकिला दर्रे के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है ।
- हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर 'नाथपा झाकडी परियोजना' स्थित है, जो कि वर्तमान में भारत की सबसे बडी (1400 मेगावॉट) जल विद्युत उत्पादन परियोजना है ।
- पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश सीमा क्षेत्र में इस नदी पर 'भांखडा–नांगल परियोजना' स्थित है ।
- 'भांखडा बांध' से 'गोविन्द सागर जलाशय (हिमाचल प्रदेश)' का निर्माण होता है ।
- हरिके नामक स्थान पर इस नदी से 'इन्दिरा गाँधी नहर' का उद्गम होता है ।

2. गंगा अपवाह तंत्रः–

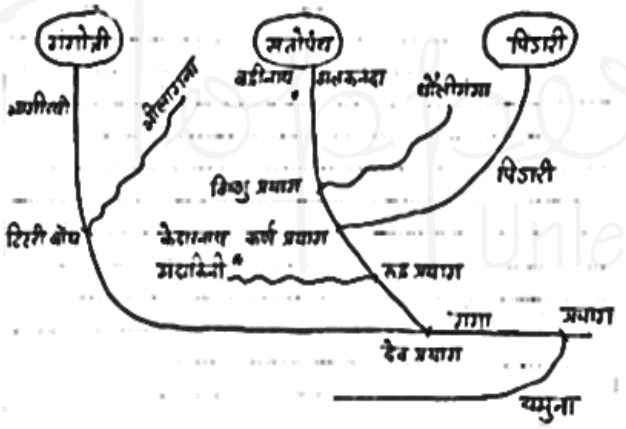

- गंगा नदी तथा उसकी सहायक नदियों का अपवाह तंत्र विभिन्न राज्यों में स्थित है ।
  e.g.- उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड तथा पश्चिम बंगाल
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किमी. (लगभग 2500 किमी.) है ।
- गंगा नदी उत्तराखण्ड में देवप्रयाग नामक स्थान से निकलती है जहाँ भागीरथ तथा अलकनंदा नदियाँ मिलती है ।
- भागीरथ नदी की सहायक नदी भीलांगना इससे टिहरी नामक स्थान पर मिलती है जहाँ भारत का सबसे ऊँचा बांध स्थित है ।
- अलकनंदा नदी पर विभिन्न प्रयाग स्थित है । **e.g.-** विष्णुप्रयाग, कर्णप्रयाग, रूद्रप्रयाग **etc.**

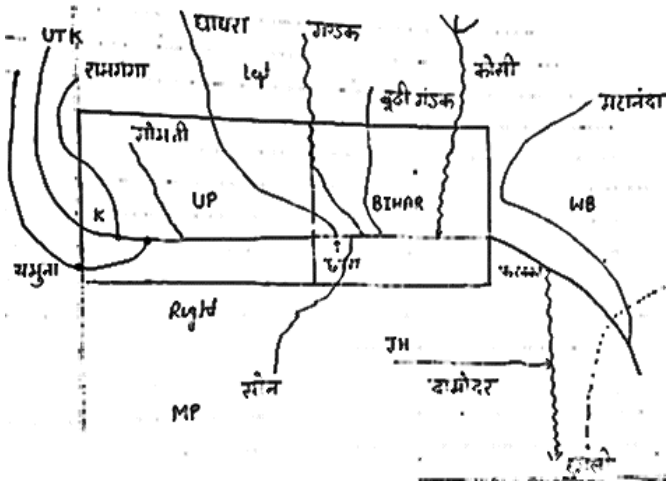

1. गंगा की दांये हाथ की प्रमुख नदियाँ:–

(a). यमुनाः–

- गंगा की सबसे लम्बी सहायक नदी ।
- इस नदी का उद्गम उत्तराखण्ड में यमुनोत्री हिमनद से होता है तथा यह नदी हरियाणा तथा दिल्ली से बहते हुए उत्तरप्रदेश में इलाहाबाद में गंगा नदी से आकर मिलती है
- आगरा तथा मथुरा इसी नदी के किनारे बसे है ।
- चम्बल, केन, बेतवा, सिन्ध इसकी कुछ प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(b). सोनः–

- इस नदी का उद्गम मध्यप्रदेश में अमरकंटक पठार से होता है तथा यह नदी उत्तर दिशा की ओर बहते हुए बिहार में 'सोनपुर' नामक स्थान पर गंगा में आकर मिलती है । (*सोनपुर में विश्व का सबसे बडा पशु मेला लगता है ।*)
- 'रिंहद' सोन की एक प्रमुख सहायक नदी है
- रिंहद नदी पर उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश सीमा क्षेत्र में 'रिंहद बांध' स्थित है, जिससे 'गोविन्द वल्लभ पंत सागर जलाशय (छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश)' का निर्माण होता है ।

2. गंगा की बांये हाथ की प्रमुख नदियाँ:–

(a). रामगंगा

(b). गोमती

- इस नदी का उद्गम उत्तरप्रदेश में 'पीलीभीत' जिले से होता है ।
- लखनऊ तथा जौनपुर शहर इस नदी के किनारे बसे है ।

(c). घाघरा:–

- इस नदी का उद्गम 'तिब्बत के पठार' से होता है
- यह नदी नेपाल में 'करनाली' नाम से जानी जाती है

शारदा:– इस नदी का उद्गम नेपाल से होता है तथा यह नेपाल में 'काली' के नाम से जानी जाती है । यह नदी उत्तराखण्ड व नेपाल के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।

सरयू:– 'अयोध्या' सरयू नदी के किनारे बसा है ।

(d). गण्डक

(e). बुढ़ी गण्डक

(f). कोसी:–

- इस नदी का उद्गम 'तिब्बत के पठार' से होता है
- अरूण कोसी, सुन कोसी तथा तमूर कोसी इसकी प्रमुख धाराएँ है ।
- भारत में यह नदी बिहार राज्य में बहती है ।
- गंगा में सर्वाधिक मात्रा में जल लेकर आने वाली नदी
- इसे 'बिहार का शोक' कहते है ।

(g). महानंदा

दामोदर नदी

- यह नदी हुगली नदी की सहायक नदी है ।
- इस नदी का उद्गम झारखण्ड में छोटा नागपुर पठार से होता है ।
- इस नदी की घाटी कोयले के भण्डारों के लिए विख्यात है तथा इसे 'भारत की रूर घाटी' भी कहा जाता है ।
- पूर्व में दामोदर नदी हर वर्ष बाढ लेकर आती थी, जिसके कारण इसे 'बंगाल का शोक' कहा जाता था।
- बाढ को नियंत्रित करने के लिए स्वतंत्र भारत की पहली बहु–उद्देशीय नदी घाटी परियोजना का विकास इसी नदी पर किया गया है । इसे 'दामोदर नदी घाटी परियोजना' कहा जाता है । (टेनिसीपरियोजना पर आधारित जो मिसीसीपी नदी की सहायक नदी है ।)
- कोनार, मिठोन, बाराकर, तिलैया दामोदर नदी घाटी परियोजना के अन्तर्गत विकसित किए गए कुछ बांध है
- दामोदर एक अत्यधिक प्रदूषित नदी है तथा जैविक दृष्टि से एक मृत नदी है ।

3. ब्रह्मपुत्र अपवाह तंत्र

- इस अपवाह तंत्र का निर्माण ब्रह्मपुत्र तथा उसकी सहायक नदियों द्वारा किया गया है ।
- 'ब्रह्मपुत्र नदी' का उद्गम 'तिब्बत के पठार' से होता है तथा यह नदी नामचा बर्वा चोटी के नजदीक स्थित एक गहरी घाटी के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है ।
- भारत की सर्वाधिक मात्रा में जल ले जाने वाली नदी है ।
- तीस्ता, मानस, सुबनसिरी इसकी दांये हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ है तथा दिबांग, दिसांग, लोहित बांये हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ है ।
- इस नदी के मध्य असम में 'माजुली द्वीप' स्थित है, जो कि भारत का सबसे बडा नदी द्वीप है ।
- भारत में सर्वाधिक जल विद्युत क्षमता इसी नदी में पाई जाती है ।

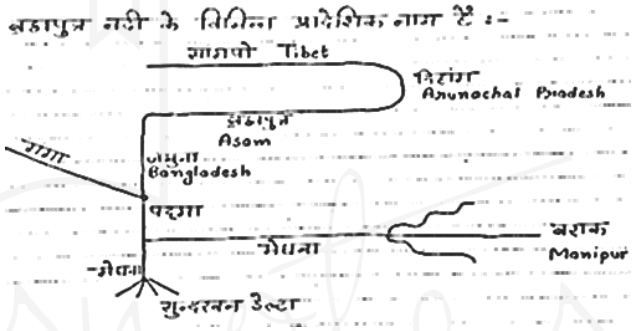

प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र

(Peninsular Drainage System):-

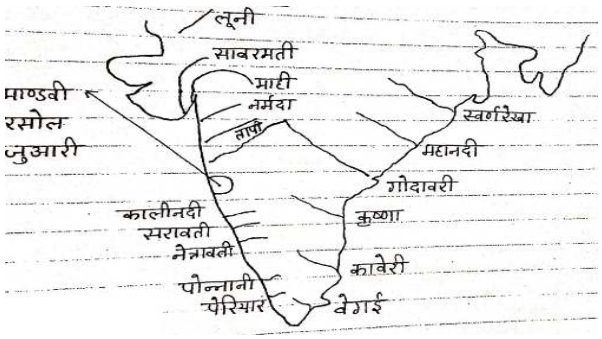

➢ प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र की नदियों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है–

1. पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ:–

(a). स्वर्णरेखा नदी:–

- इस नदी का उद्गम झारखण्ड में 'रांची के पठार' से होता है ।
- यह नदी नदमुख का निर्माण करने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है

(b). महानदी:–

- इस नदी का उद्गम 'दण्डकरण्य पठार' से होता है तथा यह नदी छत्तीसगढ तथा उडीसा से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी एक कटोरे के आकार के बेसिन का निर्माण करती है । (चीन में 'हुआंग हे' नदी)
- इस नदी का बेसिन चावल की खेती के लिए विख्यात है तथा छत्तीसगढ को 'भारत का चावल का कटोरा' कहते है ।
- इस नदी पर उडीसा राज्य में 'हीराकुण्ड बांध' स्थित है, जो कि भारत का सबसे लम्बा बांध है ।
- इब, मंद, हसदो, श्योनाथ, तेल, शोंग इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(c). गोदावरी:–

- भारत की दूसरी सबसे लम्बी नदी ।
- इस नदी का उद्गम 'पश्चिमी घाट' में स्थित 'कलसुबाई चोटी (त्रिम्बक पठार में स्थित)' से होता है ।
- यह नदी महाराष्ट्र, तेलंगाना तथा आन्ध्रप्रदेश राज्यों से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- आन्ध्रप्रदेश में इस नदी पर 'पोलावरम परियोजना' का विकास किया जा रहा है ।
- पूर्णा, प्रानहिता, वेन गंगा, पेन गंगा, इन्द्रावती, सिलेरू आदि इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है
- सिलेरू नदी पर उडीसा में 'बालिमेला बांध' बना हुआ है ।

(d). कृष्णा:–

- इस नदी का उद्गम पश्चिमी घाट में 'महाबलेश्वर चोटी' से होता है तथा यह नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा आन्ध्रप्रदेश राज्यों से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में गिरती है ।
- कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, तुंगभद्रा, भीमा, मुसी इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(e). कावेरी:–

- इस नदी का उद्गम पश्चिमी घाट में स्थित ब्रह्मगिरी पहाडियों से होता है ।
- यह नदी कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों से बहती है ।
- कर्नाटक राज्य में इस नदी पर 'कृष्णराज सागर बांध' स्थित है, जबकि तमिलनाडु में 'मेटुर बांध' स्थित है ।
- इस नदी पर विख्यात 'शिव समुद्रम जल प्रपात' स्थित है ।
- इस नदी में विख्यात 'श्रीरंगम् नदी द्वीप' स्थित है ।
- हेमावती, अरकवती, भवानी, लक्ष्मणतीर्थ इस नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(f). वेगई नदी:– 'मदुरई शहर' वेगई नदी के किनारे बसा है ।

2. पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ:–

(a). लूनी नदी:–

- इस नदी का उद्गम अरावली पर्वतों से होता है तथा यह नदी कच्छ के रण में जाकर गिरती है ।
- राजस्थान के पश्चिम मरूस्थलीय भाग की सबसे प्रमुख नदी है ।
- अपने उद्गम से लेकर बाडमेर में स्थित 'बालोतरा' नामक स्थान तक इस नदी का जल मीठा है तथा इसके पश्चात् इस नदी में खारा जल पाया जाता है

(b). साबरमती:–

- इस नदी का उद्गम अरावली पर्वतों से होता है तथा यह नदी 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- 'गांधीनगर' व 'अहमदाबाद' शहर इस नदी के किनारे बसे है ।

(c). माही नदी:–

- इस नदी का उद्गम मध्यप्रदेश में विन्ध्याचल पर्वतों से होता है तथा राजस्थान व गुजरात से बहने के पश्चात यह 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है
- यह नदी 'कर्क रेखा' को दो बार काटती है ।

Note:-

* विषुवत रेखा को दो बार काटने वाली नदी – कांगो (अफ्रीका)
* मकर रेखा को दो बार काटने वाली नदी – लिम्पोपो (अफ्रीका)

(d). नर्मदा नदी:–

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में 'अमरकंटक पठार' से होता है तथा यह नदी 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह एक नदमुख का निर्माण करती है ।
- यह नदी 'विन्ध्याचल पर्वतों' तथा 'सतपुडा पर्वतों' के मध्य स्थित 'भ्रंश घाटी' से बहती है ।
- इस नदी पर 'जबलपुर' के नजदीक 'धुँआधार (जिसे संगमरमर जल प्रपात भी कहा जाता है)' तथा 'कपिलधारा जल प्रपात' स्थित है ।
- इस नदी पर मध्यप्रदेश में 'इन्दिरा सागर परियोजना/बांध' स्थित है, जिससे बनने वाला 'इन्दिरा सागर जलाशय' भारत की सबसे बडी मानव निर्मित झील है ।
- गुजरात में इस नदी पर 'सरदार सरोवर परियोजना/बांध' स्थित है जो कि गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश व राजस्थान की संयुक्त परियोजना है ।
- हिरन, तवा, छोटा तवा व कुण्डी नर्मदा की कुछ प्रमुख सहायक नदियाँ है ।
- गुजरात का प्रमुख शहर 'भरूच' नर्मदा नदी के किनारे स्थित है ।

(e). तापी नदी:–

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में 'बैतुल पठार' से होता है तथा यह 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी नदमुख का निर्माण करती है ।
- यह 'सतपुडा व अजन्ता पहाडियों' के मध्य स्थित भ्रंश घाटी से बहती है ।
- इस नदी पर गुजरात में 'उकाई' तथा 'काकरापारा' परियोजनाएँ स्थित है ।
- 'सूरत' शहर इसी नदी के किनारे बसा है ।

(f). सरावती नदी:– कर्नाटक में 'जोग जल प्रपात' स्थित है ।

(g). पेरियार नदी:–

- इस नदी का उदगम पश्चिमी घाट से होता है तथा यह अरब सागर में जाकर गिरती है ।
- यह केरल की सबसे प्रमुख नदी है तथा इसे 'केरल की जीवन रेखा' कहा जाता है ।
- इस नदी पर केरल में 'इडुकी परियोजना **(Idukki Project)**' स्थित है ।

अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र

घग्घर नदी:–

- इस नदी का उदगम हिमाचल प्रदेश में शिमला कालका की पहाडियों से होता है ।
- यह हरियाणा से होती हुई राजस्थान के गंगानगर जिले के अनूपगढ नामक स्थान तक जाती है ।
- मानसून के दौरान यह नदी पाकिस्तान के फोर्ट अब्बास नामक स्थान तक जाती है ।
- यह नदी भारत के सबसे बडे अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र का निर्माण करती है ।

जैव–विविधता
(Bio-Diversity)

- किसी क्षेत्र में मिलने वाली जीवन की विभिन्नता **(Variation),** उस क्षेत्र की **'जैव–विविधता'** कहलाती है
- किसी क्षेत्र की जैव–विविधता **(Bio-Diversity)** का अनुमान लगाते समय उस क्षेत्र में मिलने वाली प्रजातिय विविधता **(Species),** आनुवांशिक विविधता **(Genetic)** तथा पारिस्थितिकी विविधता को सम्मिलित किया जाता है
- जैव विविधता किसी क्षेत्र में जीवन के अस्तित्व बने रहने की संभावनाओं को बढा देती है । जैव विविधता की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसके संरक्षाण के लिए भारत में मुख्य रूप से 3 प्रकार के सुरक्षित/आरक्षित क्षेत्र स्थापित किए गए है–
  - वन्य जीव अभ्यारण्य
  - राष्ट्रीय उद्यान (पार्क)
  - जैव आरक्षित क्षैत्र

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान
(National Park)

	राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य	राज्य	प्रमुख संरक्षित जीव–जातियाँ
1.	अन्नमलाई वाईल्ड लाइफ सैंचुरी	केरल	हाथी, चीता, तेंदुआ, चीतल, नीलगाय, हिरन, सांभर गिलहरी, जंगली कुत्ता तथा थल–जलीय पशु ।
2.	अंशी नेशनल पार्क	कर्नाटका	हाथी, गैंडा, चीतल, तेंदुआ, चीता, नीलगाय, हिरन, लकडबग्घा, भालू तथा नाना प्रकार के पक्षी ।
3.	बांधवगढ नेशनल पार्क	मध्य प्रदेश	चीता, बाघ, गौड, चीतल, सांभर, नीलगाय, चिंकारा, भौंकता हिरन, भालू, जंगली–सूअर तथा नाना प्रकार के पक्षी
4.	बांदीपुर नेशनल पार्क	कर्नाटक	हाथी चीता, गौंड, चीतल, सांभर, लकडबग्घा, जंगली भालू बाघ तथा गैंडा
5.	बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क	कर्नाटक	हाथी, चीता, तेंदुआ, हिरन, गौंड, चीतल, नीलगाय, सांभर, जंगली सूअर, विभिन्न पक्षी
6.	भगवान महावीर नेशनल पार्क	गोआ	हाथी, बाघ, लकडबग्घा, गौंड, सांभर हिरन, जंगली सूअर भालू तथा पक्षी ।
7.	भीतरकनिका (Bhitakarnika) नेशनल पार्क	ओडिशा	मगरमच्छ, अजगर (Python), किंग–कोबरा, ओलिव रिडले टर्टल (Olive Ridley Turtles)] सफेद पेट वाला गरूड (शाहीन), डॉल्फिन, मछली भक्षी बिल्ली, काला हिरन, चीतल तथा पक्षी ।
8.	चिलका बर्ड अभयारण्य	ओडिशा	जलमुर्गी, फ्लेमिंगो, गूज (Goose), सैन्ड–पाइपर, गुल, टर्न, सफेद पेट

			वाला गरूड/शाहीन, मछली भक्षी बिल्ली, चीतल तथा विभिन्न अन्य पक्षी ।
9.	जिमकॉर्बेट नेशनल पार्क	उत्तराखण्ड	हाथी, तेंदुआ, चीता, जंगली-सूअर, सांभर, दलदली,- हिरन, चीतल, भौंकने वाला हिरन, उल्लू, तीतर इत्यादि ।
10.	दाचीगाम	श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)	कस्तूरी मृग, हंगल, तेंदुआ, काला हिरन, भूरा-भालू, सेराव ।
11.	दम्पा नेशनल पार्क	मिजोरम	हाथी, बाघ, तेंदुआ, हिरन, लकडबग्घा, जंगली सूअर ।
12.	मरूस्थल अभयारण्य	जेसलमेर	सोहन चिडिया (Indian Bustard), काला हिरन, नीलगाय, जंगली सूअर ।
13.	दुधवा नेशनल पार्क	लखीमपुर - खीरी (उत्तर प्रदेश)	चीता, तेंदुआ, लकडबग्घा, जंगली सूअर, सांभर, दलदली-हिरन, चीतल, भौंकने वाला हिरन, नीलगाय, उल्लू, तीतर आदि ।
14.	फाकिम वन्य जीव अभ्यारण	नागालैंड	हाथी, हिरन, चीतल, बाघ, लकडबग्घा, जंगली-सूअर ।
15.	गिर नेशनल पार्क	गुजरात	एशियाई-शेर, बाघ, पट्टेदार-लकड बग्घा, सांभर, नीलगाय,
			चीतल, हिरन, चौसिंघा, चिंकारा, जंगली-सूअर
16.	गुइन्डे नेशनल पार्क	चेन्नई (तमिलनाडू)	हाथी, पैंथर, लकडबग्घा, हिरन, वांडू तथा विभिन्न प्रकार के पक्षी
17.	मन्नार की खाडी नेशनल पार्क/ बायोस्फियर रिलर्व	तमिलनाडू	डूगोंग (समुद्री गाय), मैन्ग्रो, प्रवाल, मछलियाँ, घोंघे, शैवाल, जलीय घास, कीडे-मकोडे ।
18.	हमीस नेशनल पार्क	लेह/लद्दाख (जम्मू एवं कश्मीर)	कस्तूरी मृग, हेंगल, याक, चौसिंघा भूरा-भालू, जंगली बिल्ली
19.	जलदपारा नेशनल पार्क	प. बंगाल	एक सींग वाला राहिनो (Rhino), चीता, बाघ, जंगली-हाथी, दलदली-हिरन, हाग-डियर, जंगली-सूअर, उल्लू तथा नाना प्रकार के पक्षी
20.	कान्हा नेशनल पार्क	मध्य प्रदेश	चीता, पेथर/बाघ, लकडबग्घा, हिरन, जंगली-सूअर, नाना प्रकार के पक्षी ।
21.	कंचनजंगाा बायोस्फियर रिजर्व	सिक्किम	बर्फीला भालू, सफेद लोमडी, पांडा, गीदड तथा नाना प्रकार के पक्षी
22.	काजीरंगा नेशनल पार्क	जेरह जनपद (असम)	एक सींग वाला राइनो (Rhino), हाथी, चीता, तेंदुआ, लोमडी,